डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 266 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 10 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

अतिक्रमण हटाने पहुंचा नपा का अमला

नेहरु बस स्टेण्ड से हटाया लोगों का कब्जा, बैग जप्त किए, चालान भी बनाए

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नेहरु बस स्टैंड पूरी तरह से अतिक्रमण की जद में है। स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है। सीएम हेल्पलाईन पर भी इसकी शिकायत की गई। अधिकारियों से भी लोगों ने शिकायतें की। लेकिन, अधिकारियों की सुस्ती नहीं उड़ी। इस मुद्दे को 'दैनिक गुरु एक्सप्रेस' ने 7 जुलाई के अंक में 'अव्यवस्थाओं के हवाले नेहरु बस स्टैंड' शीर्षक से प्रमुखता से उठाया। इसके बाद नपा का अमला कार्रवाई करने पहुंचा।

नेहरु बस स्टैंड पर सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है बिगडी हुई यातायात व्यवस्था से। इसका प्रमुख कारण है अतिक्रमण। सबसे पहले बात करें स्थायी अतिक्रमणों की। दुकानदारों ने सड़क पर भट्टियां लगा रखी है। इसके बाद रही सही कसर ठेले वालों ने पूरी कर दी। बीच सडक़ पर नमकीन और फल फ्रूट के ठेले लगे हुए है। अस्थायी दुकानदार सामान सड़क पर फैलाकर व्यापार कर रहे हैं। जिससे बस संचालकों के साथ राहगीर तक परेशान है। मंगलवार को नगरपालिका का अमला नेहरु बस स्टैंड पहुंचा। यहां अस्थायी व स्थायी अतिक्रमणकारियों को हिदायत दी गई। इसके अलावा कुछ जगहों पर कार्रवाई कर बैग भी जब्त किए गए। इसके बाद चालान बनाए गए। कार्रवाई नेहरु बस स्टैंड के अलावा गांधी चौराहा तक चली।

नेताजी के साथ फोटो खिंचवाकर नेता बनने की चाह

सिर्फ सोशल मीडिया पर झांकीबाजी जमाने में लगे लोग

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में कांग्रेस लंबे समय से विधानसभा, लोकसभा, नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों में डिफीट खा रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक मजबूत प्रत्याशी तलाशने में ही चुनावों में कांग्रेस को पसीने आ रहे हैं। इसका कारण है जनता से जुड़ाव कांग्रेस के युवा चेहरों में नहीं दिख पाया। सिर्फ बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर ही नेता अपने आपको बड़ा नेता साबित करने में लगे हुए है। दिग्विजयसिंह का बयान मंदसौर जिले के लिए बिल्कुल फीट बैठ रहा है। जिसमें उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से सीख लेना चाहिए।

दिग्गी बोले-नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर नेता नहीं बनोंगे...

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के युवा नेताओं से कहा है कि उन्हें अपने नेता राहुल गांधी से सीख लेना चाहिए। सिर्फ नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से नेता नहीं बनोंगे, बल्कि गांव-मोहल्ले के लोगों के दुख-सुख में शामिल होकर उनकी समस्याओं को समझने पर ही ऐसा हो सकता है। इसके लिए दिग्विजय ने अपूर्व भारद्वाज का एक ट्वीट भी एक्स (ट्वीटर) पर टैग किया है। जिसमें राहुल इसी तरह की बातें कर रहे हैं। पूर्व सीएम सिंह ने सोमवार को किए ट्वीट में लिखा है कि हे मेरे मित्रों, समस्त कांग्रेस जन अपने घरों से निकलो। अपने नेता राहुल गांधी से कुछ सीख लो। केवल नेताओं के साथ सेल्फी खिंचवा कर सोशल मीडिया पर डाल कर नेता नहीं बनोगे। अपने गांव, अपने मोहल्ले में लोगों से मिलो। उनके सुख-दुख में शामिल हो, उनके साथ बैठ कर जन समस्याओं पर चर्चा कर कांग्रेस का पक्ष रखो। महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, सडक़, बिजली के बढ़ते हुए बिलों के बारे में उनसे चर्चा करो।

मल्हारगढ़ में लगी दिग्विजय सिंह की बात पर मुहर...

कांग्रेस से परशुराम सिसौदिया तीसरी बार चुनाव हारे। इसका कारण रहा कि हर बार वह चुनाव के ऐन वक्त पर लोगों के बीच पहुंचे। हारने के बाद सिर्फ सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ भोपाल सहित अन्य जगहों पर फोटो खिंचवाने में व्यस्त रहे। इधर टिकीट को लेकर आश्वस्त बैठे श्यामलाल जोकचंद लगातार लोगों के बीच पहुंचकर कभी अधिकारियों से उलझते दिखे तो कभी थानों में धरना देते नजर आए। यहीं कारण रहा कि निर्दलीय उम्मीद्वार होने के बाद भी विजयी भाजपा प्रत्याशी जगदीश देवड़ा के निकटतम प्रतिद्वंदी रहे। पशुराम सिसौदिया यहां विस चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे।

फोटो खिंचवाने राजनीति में संघर्ष करते नजर आए...

नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर पोस्ट करने वाले राजनीति में संघर्ष करते ही नजर आए। टिकीट के लिए सिर्फ नाम ही चला और टिकीट मिला भी सही तो जनता ने समर्थन नहीं दिया। कांग्रेस नेता सुनील बसेर बडे नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर पोस्ट करने में ही विश्वास करते नजर आए। नगरीय निकाय चुनावों में उन्हें असफलता मिली तो वहीं विधायक विपीन जैन के साथ बड़े नेताओं के साथ फोटो खिंचाकर पोस्ट करने में लगे हुए है। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष और वर्तमान में भाजपा नेता मुकेश काला के भी यहीं हाल है। शुरुआत से उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ फोटो सोशल मीडिया पर देखे गए। कांग्रे स में टिकीट कभी मिला नहीं। भाजपा में आने के बाद भाजपा के बडे नेताओं के साथ उनके फोटो देखे गए। भाजपाई भी फिलहाल सिंधिया समर्थकों को वह स्थान नहीं दे पाए। यहीं स्थिति पूर्व पार्षद विजय गुर्जर की रही। सिंधिया के साथ फोटो उनके भी देखे गए। कांग्रेस में पार्षद बने तो विपक्ष में रहे और भाजपा में आने के बाद टिकीट मिल नहीं पाया। यह कुछ उदाहरण है। सुवासरा के कांग्रेस प्रत्याशी राकेश पाटीदार जैसे कई उदाहरण है जो सिर्फ फोटो के दम पर राजनीति करने की कोशिश करते रहे और असफलता हाथ लगी।

देवड़ा, चावला, नाहटा और सोजतिया है तगड़े उदाहरण...

दिग्विजयसिंह के बयान पर मुहर लगाते हैं जगदीश देवडा, कैलाश चावाला, नरेंद्र नाहटा और सुभाष सोजतिया जैसे उदारहण। जगदीश देवडा वर्तमान में वित्तमंत्री और डिप्टी सीएम है तो वहीं बाकी तीनों पूर्व मंत्री रह चुके हैं। जगदीश देवडा अभी भी सफेद इस्त्री वाले कपडे में गांव की चौपाल पर या किसी के घर के बाहर की पट्टी पर बैठने में गुरेज नहीं करते तो वहीं कैलाश चावला, नरेंद्र नाहटा और सुभाष सोजतिया के सोशल मीडिया अकाउंट देखे तो किसी भी बडे नेताओं के साथ जबरदस्ती फोटो खिंचवाने वाली पोस्ट नहीं है।

दिग्विजयसिंह भी बोले-राहुल गांधी से सीख लेना चाहिए

फालोअप:डीजी फारेस्ट ने लिया व्यवस्था का जायजा

गांधी सागर अभयारण्य में चीतों की शिफ्टिंग की तैयारी जारी

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कूनो के बाद अब गांधी सागर अभयारण्य में दक्षिण अफ्रीका से चीतों को लाकर शिफ्ट किया जाना है। इस योजना को लेकर तैयारी जोरों से चल रही है। गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के शिकार के लिए चीतल को भी शिफ्ट किया जा रहा है। भारत सरकार के डीजी फारेस्ट (महानिदेशक वन) जीतेंद्र कुमार ने मध्य प्रदेश में वन विभाग के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने चीतों के रहवास कूनो नेशनल पार्क में चीतों के बारे में जानकारी ली। वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने बताया कि डीजी फारेस्ट को प्रेजेंटेशन के माध्यम से चीतों की देखरेख के लिए की गई तैयारी और मध्य प्रदेश में चीतो के नए घर गांधी सागर में की गई तैयारी से भी अवगत कराया। जल्द ही गांधी सागर में दक्षिण अफ्रीका से चीतों को शिफ्ट किया जाना है। इसके लिए वहां स्थित पांच तेंदुओं को भी अभयारण्य से बाहर शिफ्ट किया है।

तीन सौ से अधिक चीतल शिफ्ट...

चीतों के भोजन के लिए गांधी सागर अभयारण्य में 300 से अधिक चीतल शिफ्ट किए गए हैं। इससे चीते आसानी से शिकार कर सकेंगे। डीजी फारेस्ट ने वन भवन भोपाल में बैठक कर अन्य कार्य योजनाओं की जानकारी भी ली। इको टूरिज्म बोर्ड की सीईओ समीता राजौरा ने अनुभूति कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। इसे डीजी फारेस्ट ने सराहनीय कार्य बताते हुए इसकी प्रशंसा की।

नाबालिगों के साथ मारपीट के बाद वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया

पिपलियामंडी, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। चार नाबालिक लडकों ने दो नाबालिक लडकों के साथ बेल्ट से मारपीट की। वीडियो में एक नाबालिग को बिजली पोल पर रस्सी से हाथ बांध खडा कर रखा है, वही एक नाबालिग से साथ बेल्ट से मारपीट की जा रही है। मारपीट का वीडियो एक नाबालिग ने बनाकर सोशल साइट इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को चार नाबालिक बालकों द्वारा इस कृत्य को अंजाम दिया गया, मारपीट करने के बाद वीडियो बनाने के दौरान गालियां देते हुए एक नाबालिक ने इसका वीडियो सोशल साइट इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। हालांकि स्टोरी पर डाला यह वीडियो नाबालिग ने बाद में हटा भी लिया। बताया गया मारपीट करने वाले 6 लडके थे, लेकिन वीडियो में 4 ही नजर आ रहे है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस इनकी तलाश कर रही है। चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया विवेचना जारी है, आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

नई आबादी पुलिस के हत्थे चढ़ी सेक्सटार्शन गैंग

महिला आरोपी गई जैल, नाबालिग को बाल सुधार गृह रतलाम भेजा, फिर से लेंगे महिलाओं का रिमांड

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने मेनपुरिया गांव में दबिश देकर सेक्सटॉर्शन गैंग का पर्दाफाश किया है। गैंग दो साल से लोगों को लूट रही थी। इस गैंग के तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इसमें दो महिला है और एक नाबालिग। जबकि, दो लोगो की तलाश जारी है। यह गैंग लगभग 2 सालों से सक्रिय थी और बार-बार अपना ठिकाना बदल लेती थी। यही कारण है कि गैंग के सदस्य पुलिस की पकड़ से दूर थे। नई आबादी पुलिस ने जिस मकान पर दबिश दी, वहां से 03 लाख रुपये नगद मिले हैं। पुलिस का मानना है कि गैंग अब तक ब्लैकमेलिंग कर 30 लाख से ज्यादा रुपये वसूल चुकी थी। 08 से 10 मामलों की जानकारी भी सामने आई है। मामले में पुलिस ने 2 महिलाओं सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। अभी दो आरोपित फरार हैं। दो आरोपित मेनपुरिया, 2 आलोट के, जबकि एक बड़ौद का रहने वाला है। मामले में पुलिस ने आरोपियो को न्यायालय में पेश किया। जहां से महिला आरोपियो को मंदसौर जैल तथा नाबालिग को रतलाम बाल सुधार गृह भेजा गया है। इधर सूत्रो की माने तो पुलिस दोनो आरोपी महिलाओ की एक बार फिर रिमांड लेगी, जिसमें कई अन्य खुलासे भी हो सकते है।

नई आबादी टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि सेक्सटॉर्शन के जरिए ब्लैकमेलिंग व रुपये की वसूली से जुड़ी गंभीर शिकायतें पुलिस तक पहुंची थी। मामले की गंभीरता देख पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने विशेष टीम का गठन किया। नई आबादी टीआई वरुण तिवारी पीड़ित पक्षों के माध्यम से पूरे रैकेट तक पहुंचे। पुलिस की दबिश के बाद परतें हटती गई। पुलिस ने मेनपुरिया में रहने वाली महिला, उसकी सहयोगी आलोट क्षेत्र की महिला, एक नाबालिग को हिरासत में लिया। साथ ही प्रकरण में फरार आलोट के शैतानसिंह पिता भगवानसिंह व राजेश पिता मदन टेलर निवासी बड़ौद भी आरोपी बने हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने 3 साल में 30 लाख रुपये तक वसूलना बताया। अब पुलिस इनका पुराना रिकॉर्ड खंगाल रही है। दोनों फरार आरोपितों की तलाश जारी है।

महिलाओं ने स्थानीय लोगों के अलावा अन्य लोगों को भी शिकार बनाया। कॉल के बाद संबंधित को बातचीत के बहाने मंदसौर बुलाते और रुपये नहीं होने पर बंधक बना लेते थे। वीडियो व स्क्रीन शॉट बताकर रुपये की डिमांड करते थे। बंधक बने व्यक्तियों से परिजनों की बात कराते और महिलाओं के जरिए झूठी एफआईआर कराने का दबाव बनाकर यूपीआई आईडी से भी लेन-देन करते। कुछ मौकों पर नकदी की बात आती तो कभी सांवलियाजी तो कभी पशुपतिनाथ मंदिर के पास की लोकेशन बताते थे। कुछ मामलों में इन्होंने युवकों को 2 से 3 दिनों तक बंधक बना रखा था।

यह है सेक्सटॉर्शन, आजीवन कारावास तक संभव...

सेक्सटॉर्शन यौन शोषण से जुड़ा ब्लेकमैलिंग का एक रूप है। इसमें किसी व्यक्ति की मांगें पूरी नहीं होने पर उसकी अंतरंग तस्वीरें या वीडियो ऑनलाइन शेयर या लीक करने की धमकी दी जाती है। एवज में संबंधित या स्वजनों से रुपये मांगे जाते हैं। मामले में नए कानून के तहत आरोपितों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

इनका कहना...

शिकायतों की जांच के बाद मेनपुरिया में दबिश दी गई। वहां मकान से 3 लाख रुपये मिले हैं। आरोपित लोगों को घर के पीछे बाडे में बंधक बनाकर रखते थे और स्वजनों से उनकी बात कराकर रुपये मंगाते थे। फोन-पे तक तक इस्तेमाल होता था। आरोपित महिलाओं के मोबाइल में अश्लील वीडियो की 40 क्लिपिंग मिली हैं। ऐसी जानकारी है कि अब तक करीब 30 लाख रुपये ऐठ चुके हैं। प्रारंभिक पूछताछ में 8 से 10 मामलों का खुलासा हुआ है। यह बदमाश 3 सालों से सक्रिय थे। सभी का पुराना रिकार्ड खंगाला जा रहा है। गैंग के 5 आरोपितों में 2 महिलाएं व एक नाबालिग मौके से मिल गए हैं। जबकि, दो आरोपी फरार हैं।

वरुण तिवारी, टीआई, नई आबादी थाना मंदसौर

भोपाल नहीं, अब उज्जैन से होगा धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मुख्यालय का संचालन, अधिसूचना जारी

भोपाल, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश का धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मुख्यालय अब भोपाल में नहीं रहेगा, उसे उज्जैन स्थानांतरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 से पहले मुख्यालय उज्जैन में स्थानांतरित कर वहां से ही संचालित किया जाएगा। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है।

बता दें कि अभी भोपाल स्थित सतपुड़ा भवन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय संचालित हो रहा है। अब मुख्यालय उज्जैन स्थित सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के भवन में संचालित किया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का संचालन भी उज्जैन से ही किया जाएगा।

अवंतिका में बैठेगा पूरा स्टाफ...

मुख्यालय के संचालक सहित पूरा स्टाफ अवंतिका नगरी अर्थात उज्जैन में बैठेगा। राज्य सरकार वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारी शुरू कर चुकी है। सिंहस्थ के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट व्यय किया जाएगा। इसमें केंद्र सरकार से भी वित्तीय मदद ली जाएगी। इसी क्रम में यह मोहन सरकार की पहली पहल है।

12 विभागों की टास्क फोर्स का गठन...

श्री महाकाल लोक बनने के बाद जिस तरह से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, उसे ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ क्षेत्र के विस्तार और भूमि उपयोग के नए विकल्प पर विचार करने के लिए 12 विभागों की टॉस्क फोर्स का गठन किया गया है। सिंहस्थ में भूमिका निभाने वाले सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव के साथ उज्जैन कमिश्नर, महानिरीक्षक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को शामिल किया है। टास्क फोर्स वर्ष 2004 और 2016 में हुए सिंहस्थ की संपूर्ण मेला क्षेत्र की योजना, भूमि आवंटन और आरक्षण के अभिलेखों का परीक्षण करके प्रतिवेदन तैयार करने में जुटा है।

सड़क मार्ग के चौड़ीकरण को स्वीकृति...

इंदौर-उज्जैन सड़क मार्ग के चौड़ीकरण की स्वीकृति दी जा चुकी है तो रोप-वे भी सिंहस्थ से पहले प्रारंभ करने की तैयारी है। दूषित जल को शिप्रा में मिलने से रोकने के लिए जल संसाधन विभाग काम कर रहा है। 24 नए घाटों का निर्माण भी प्रस्तावित किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि उन सभी कार्यों को अभी प्रारंभ कर दिया जाएगा, जिन्हें पूरा होने में तीन वर्ष लगने हैं। इसकी कार्ययोजना भी तैयार हो चुकी है।

तेरह साल से कुछ कम उम्र के बच्चों को...

नौवी में प्रवेश के लिए मिली छूट

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 13 साल से कम उम्र के बच्चों को नौवीं में प्रवेश नहीं मिलेगा, यह आदेश सरकार ने जारी किया था। जिसके बाद जिले में कई बच्चे ऐसे रहे कि उनका साल बर्बाद होने की कगार पर था। यही स्थिति पूरे प्रदेश में आ रही थी। लेकिन अब राहत भरी खबर है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 9वीं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु (13 वर्ष) के बंधन में छूट दे दी है। अब 13 साल से दो-पांच महीने कम उम्र होने पर भी 9वीं में प्रवेश मिल जाएगा। इसका लाभ प्रदेश में 15 हजार से अधिक बच्चों को मिलने की उम्मीद है। बता दें कि 8वीं उत्तीर्ण कर चुके 13 साल से कम उम्र के बच्चों को 9वीं में प्रवेश नहीं दिया जा रहा था और न ही हाईस्कूल-हायर सेकंडरी परीक्षा के लिए उनके नामांकन कराए जा रहे थे।

स्कूल में प्रवेश के लिए 6 वर्ष आयु सीमा तय है। इसका पालन कराने का जिम्मा राज्य शिक्षा केंद्र पर है। किन्तु, देखने में आया है कि राज्य शिक्षा केंद्र नियम का पालन नहीं करा पा रहा है, जिस कारण 12 वर्ष और कुछ माह में विद्यार्थी 8वीं उत्तीर्ण कर तो लेता है, पर उसे 9वीं में प्रवेश नहीं दिया जाता। क्योंकि, लोक शिक्षण संचालनालय के इस नियम को मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस वर्ष से अपने प्रवेश नियमों में शामिल कर लिया है। 12 जुलाई प्रवेश की अंतिम तारीख है। ऐसे में जिलों से लगातार मांग उठ रही थी कि 9वीं में प्रवेश के लिए आयु सीमा के बंधन को शिथिल किया जाए। उल्लेखनीय है कि ऐसे बच्चे सबसे ज्यादा सरकारी स्कूलों में हैं।

यह मामला जब स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह तक पहुंचा, तो मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद विभाग ने 9 वीं में प्रवेश का आयु सीमा बंधन 13 वर्ष को वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए शिथिल कर दिया है।

इतना ही नहीं, स्कूल शिक्षा विभाग इस नियम को स्थाई रूप से शिथिल करने पर भी विचार कर रहा है। हालांकि इसके लिए बैठकें होंगी और फिर निर्णय लिया जाएगा। उम्मीद है कि इसे घटाकर 12 साल 6 माह किया जा सकता है।

मंदिर की बाउण्ड्रीवाल हटाने के विरोध में सड़क पर उतरे सैकडों लोग

नगर परिषद का किया घेराव, अधिकारियों की समझाईश पर माने

सीतामऊ, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर के शीतलामाता मंदिर की बाउंड्री तोड़ने के विरोध में मंगलवार दोपहर नगर के सैकड़ों महिला पुरुषों ने नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने जमकर नारेबाजी कर मंदिर बाउंड्री तोड़ने वाले के खिलाफ करवाई करने और वापस बाउंड्री निर्माण कराए जाने की मांग की। करीब डेढ़ घंटे चले हंगामे के बाद सीएमओ जीवनराम माथुर की समझाइश पर प्रदर्शन समाप्त हुआ।

स्थानीय निवासी किशन भोई ने बताया कि सीतामऊ के वार्ड क्रमांक 9 में प्राचीन शीतलामाता मंदिर बना हुआ है। वर्ष 1977 में इसकी बाउंड्री का निर्माण हुआ था। इसका नक्शा भी राजस्व रिकार्ड में मौजूद है। पिछले दिनों मस्जिद के पास रहने वाली महिला अनीसा और उसके पति जाकिर ने उनके मकान की खिड़की की जगह दरवाजा लगा दिया। इसके बाद दोनों ने शीतला माता मंदिर की बाउंड्री तोड़कर रास्ता निकाल लिया। नगर परिषद ने संबंधित पर कोई करवाई नहीं की तो दोपहर में स्थानीय लोग नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और अपना आक्रोश प्रकट किया। मामले में नगर परिषद सीतामऊ के सीएमओ जीवन राम माथुर बोले ने कहा कि कुछ लोग आए थे, उनकी बात सुन ली गई है। मामले का समाधान किया जाएगा। कहीं कोई बड़ी बात नहीं है।

विचार-मंथन

आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार क्यों आवश्यक

1 जुलाई से देश में लागू हो चुके 3 नए आपराधिक कानून चर्चा का केन्द्र बिन्दु हैं। तीन नए आपराधिक कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 दिसंबर 2023 को अधिसूचित किए गए थे। इन कानूनों को भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लाया गया है। कहा जा रहा है कि इससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे। इसके लागू हो जाने से 'जीरो एफ.आई.आर.', पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, 'एस.एम.एस.' (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिए सम्मन भेजने जैसे इलैक्ट्रॉनिक माध्यम के तहत लोगों को सहूलियत दी गई है। सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की वीडियोग्राफी जरूरी जैसे प्रावधान नए कानून में शामिल हैं। नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के अंदर आएगा। पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय कर दिए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी ही लेगी, साथ ही उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में बयान दर्ज किया जाएगा। मैडीकल रिपोर्ट 7 दिन के अंदर देनी होगी। नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है। राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है। सभी तलाशी तथा जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी होगी जो जरूरी है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है। किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध की श्रेणी में आएगा। किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान नए कानून में जोड़ा गया है। नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना गए बिना इलैक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने में सक्षम है। इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा। पुलिस द्वारा फौरी कार्रवाई की जा सकेगी। 'जीरो एफ.आई.आर.' से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में न हुआ हो। नए कानून में गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग प्राप्त होगा। नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है। इससे मामला दर्ज किए जाने के 2 महीने के अंदर जांच पूरी की जाएगी। नए कानूनों के तहत पीड़ितों को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। नए कानूनों में, महिलाओं व बच्चों के साथ होने वाले अपराध पीड़ितों को सभी अस्पतालों में निःशुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा। आरोपी तथा पीड़ित दोनों को अब प्राथमिकी, पुलिस रिपोर्ट, आरोपपत्र, बयान, स्वीकारोक्ति और अन्य दस्तावेज 14 दिन के भीतर पाने का अधिकार होगा। अदालतें वक्त रहते न्याय देने के लिए मामले की सुनवाई में अनावश्यक विलंब से बचने के वास्ते अधिकतम 2 बार मुकदमे की सुनवाई स्थगित कर सकती हैं। नए कानूनों में सभी राज्य सरकारों के लिए गवाह सुरक्षा योजना लागू करना जरूरी है। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह लाए जा रहे भारतीय नागरिक सुरक्षा कानून में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक के आपराधिक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था। इसके लिए मैजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी। साल 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो मैजिस्ट्रेट से इसकी इजाजत लेनी होगी।

वायु प्रदूषण के कारण पृथ्वी से खत्म हो जाएंगे कीट पतंगे

-सीमा अग्रवाल

गंध संबंधी विद्युत संकेतों की शक्ति को कम कर देता है। कीटों की एंटीना में गंध को पकड़ने वाले रिसैप्टर्स होते हैं, जो आहार, स्रोत, संभावित साथी और अंडे देने के लिए एक अच्छी जगह खोजने में मदद करते हैं। ऐसे में यदि किसी कीट के एंटीना पर्टिकुलेट मैटर से ढके होते हैं तो उससे एक भौतिक अवरोध उत्पन्न हो जाता है। यह गंध को पकड़ने वाले रिसैप्टर्स और हवा में मौजूद गंध के अणुओं के बीच होने वाले संपर्क को रोकता है। एंटीना पर प्रदूषक तत्वों के जमने के कारण कीटों का सूचनातंत्र काम करना बंद कर देता है। आपस में संदेशों का आदान-प्रदान नहीं कर पाते। भोजन, अपने साथी को खोजना या अपने ठिकानों को तलाश करने की उनकी शक्ति क्षीण हो जाती है। उनके एंटीना काम करना बंद कर देते हैं और कीट एक जिंदा लाश बन जाता है। जो समय से पहले मर जाता है। कीटों की सिग्नलिंग प्रणाली डिस्टर्ब हो जाती है। वायु प्रदूषण केवल इंसान को प्रभावित कर रहा है ऐसा नहीं है। जहरीली गैसों का बुरा असर पूरी जैवविविधिता के खात्मे पर तुला है। इस कड़ी में वो सूक्ष्म कीट भी शामिल हैं जो हमें अक्सर हवा में उड़ते दिखते हैं। ये सूक्ष्म कीट कचरे का विघटन, मानव जीवन, फसलीय चक्रीकरण के लिए बेहद जरूरी हैं। इनकी अहमियत मानव जीवन में प्रत्यक्ष तौर पर नजर नहीं आती। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से ये कीट इंसान को हर स्तर पर प्रभावित करते हैं। लेकिन वायुमंडल में चढ़ती

प्रदूषण की मोटी परत ने इन कीटों की जिंदगी डिस्टर्ब कर दी है। कीटों के भोजन तलाशने से लेकर साथी से मिलन, संतति निर्माण और विकास की प्रक्रिया प्रदूषण के कारण नष्ट हो चुकी है। कीटों के सूचनातंत्र को धुएं और गैसों ने डिस्टर्ब कर उन्हें रास्ते से भटका दिया है। हालिया शोधों के मुताबिक कीटों की घटती आबादी के लिए प्रदूषण के साथ शहरीकरण, कृषि क्षेत्र में बढ़ता कीटनाशकों का उपयोग और जलवायु परिवर्तन जैसी वजह जिम्मेदार हैं। प्रदूषण न केवल शहरों के आस-पास बल्कि दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में भी इनकी आबादी को प्रभावित कर रहा है। शोध से पता चला कि प्रदूषण के चलते आने वाले कुछ दशकों में दुनिया के 40 फीसदी कीट खत्म हो जाएंगे। धुआं, धूल, धुंध, पी.एम. के कण कीटों के एंटीना और रिसैप्टर्स पर बहुत बुरा असर डाल रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, बीजिंग वानिकी विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया के शोधकर्त्ताओं के अध्ययन में कीटों पर प्रदूषण का असर अनुमान से कहीं ज्यादा निकला है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) द्वारा तय मानक के अनुसार वार्षिक औसत से ज्यादा हैं। खेतों, बगीचों में उड़ते कीटों का मुख्य काम परागण होता है। ये फसलों, फूलों को परागित कर नए बीजों का संवर्धन करते हैं। इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए जारी की जाने वाली रैड लिस्ट में कीटों की सिर्फ 8 फीसदी प्रजातियां ही शामिल हैं। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक 1990 के बाद से कीटों की आबादी में करीब 25 फीसदी की कमी आई है, अनुमान है कि यह कीट हर दशक में करीब 9 फीसदी की दर से कम हो रहे हैं।

जातीय संघर्ष के बीच नेतृत्व की विफलता

हरि जयसिंह

मणिपुर कहां है? यह अभी भी आदिवासी समूहों के बीच हिंसा के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। मणिपुर में जातीय संघर्ष, जो एक साल पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुआ था, राज्य में तबाही मचा रहा है। 226 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, हजारों लोग घायल हुए हैं और अनगिनत लोग विस्थापित हुए हैं। हिंसा को रोकने के प्रयासों के बावजूद, गहरे मतभेद और अविश्वास कायम है, जिससे लगातार संघर्ष और नागरिकों के बीच लूटे गए हथियारों का प्रसार हो रहा है। सुरक्षा बलों में विश्वास की कमी और राजनीतिक समाधान की मांग, जिसमें कुकी-जोमी समूहों द्वारा अलग प्रशासन की मांग और मैतेई प्रतिनिधियों द्वारा विद्रोही समूहों पर सख्त रुख शामिल है, के कारण जातीय संघर्ष और भी जटिल हो गया है। ध्यान देने वाली बात यह है कि मणिपुर संकट के राष्ट्रपति के अभिभाषण में जगह न पाने के कुछ दिनों बाद, मणिपुर के नवनिर्वाचित सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम ने राज्य की दुर्दशा की अनदेखी करने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार के खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाई। अकोइजाम ने संघर्ष के पैमाने पर प्रकाश डाला, इसे गृहयुद्ध से तुलना की और दुख जताया कि 'लोग हथियार उठाने के लिए मजबूर हैं। लोग अपने गांवों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं जबकि भारत सरकार चुप है।' डा. अकोइजाम ने तर्क दिया कि केंद्रीय नेताओं की चुप्पी उत्तर-औपनिवेशिक भारत में एक निरंतर औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने टिप्पणी की, 'यह चुप्पी सामान्य नहीं है,' और बताया कि विद्वान अक्सर स्वतंत्र भारत में औपनिवेशिक प्रथाओं की निरंतरता को देखते हैं। अकोइजाम ने कहा, ''अपना हाथ अपने दिल पर रखें और 60,000 बेघर लोगों और इस संकट के कारण विधवा हो गई महिलाओं के जीवन के बारे में सोचें। फिर आप राष्ट्रवाद की बात करते हैं।'' उन्होंने मणिपुर के लोगों से यह कहने तक की बात की कि भारत में उनका कोई महत्व नहीं है। यह पूरी तरह से सही नहीं है, हालांकि इस मुद्दे को संबोधित करने में देरी हुई है। मणिपुर भारत के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी की आलोचना करते हुए उन्हें परजीवी करार दिया।

सरकार का आर्थिक विकास माडल जनविरोधी

मंगत राम पासला

विज्ञान की खोजों से मनुष्य को विभिन्न असाध्य रोगों तथा अन्य अनेक प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिली है तथा प्रकृति की अभेद्य परतों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जानने-समझने का अवसर मिला है। हालांकि जो लोग दुनिया को गुलाम बनाना चाहते हैं उन्होंने विज्ञान की इन खोजों का दुरुपयोग करके पूरी मानवता को नष्ट करने की योजना भी बनाई है। यह सब सिर्फ मुनाफे के भूखे मुट्ठी भर लोगों की अधिक से अधिक पूंजी जमा करके बड़ा बनने की चाह के कारण हो रहा है। दुनिया में अलग-अलग देशों के बीच चल रहे युद्धों से जहां लाखों निर्दोष लोग हमेशा के लिए सो रहे हैं, वहीं गंभीर रूप से घायल लोग भी हैं जो मौत से भी बदतर जिंदगी जीने को मजबूर हैं। घावों से बिलबिलाते और भूख से तड़पते गाजा के मासूम बच्चों की तस्वीरें देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल पिघल जाता है। इन्हीं अराजक परिस्थितियों में उपजे प्रयासों के परिणामस्वरूप विकसित पूंजीवादी देशों, विशेषकर अमरीका में, अवसाद के शिकार, मानसिक रोगी, दर्जनों स्कूली बच्चों या अन्य मासूमों को सुइयां मारकर मार डालने जैसे मामले दैनिक जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। आर्थिक रूप से गरीब एवं पिछड़े देशों की आम जनता गरीबी-बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से पीड़ित है। सरकारें आंख मूंद कर अपने अमीर आकाओं की रक्षा कर रही हैं। कुछ दिन पहले ही भारत की सत्ताधारी पार्टी के मुखिया के तौर पर नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। वे भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाकर 'विश्व गुरु' बनाने का दिखावा कर रहे हैं, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी यानी 80 करोड़ लोग 5 किलो आटा-दाल-चावल देने की सरकारी योजना के दायरे में हैं। अगर सरकार इस योजना की शर्तों में ढील दे तो शायद इस श्रेणी में और भी करोड़ों लोग शामिल हो जाएंगे। देश पर विदेशी कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। शिक्षा की दुर्गति को नीट परीक्षा के पेपर लीक होने से 25 लाख से अधिक बच्चों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ से ही समझा जा सकता है। शिक्षा के महंगा होने के कारण करोड़ों बच्चे स्कूल-कॉलेजों में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। आर्थिक विकास का जो मॉडल दिखाकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है वह पूरी तरह से जनविरोधी है। वास्तविक आर्थिक विकास जी.डी.पी. भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि से नहीं मापा जा सकता। इसका वास्तविक पैमाना देश की कुल आबादी को उपलब्ध सामाजिक-आर्थिक सुविधाओं की मात्रा से तय किया जाना है। सच तो यह है कि 1947 के बाद देश की हर सरकार द्वारा पूंजीवादी तर्ज पर आर्थिक विकास किया गया है। लेकिन यदि कोई शासक दिन-रात यह चिल्लाता रहे कि देश का आर्थिक विकास उसके किसी व्यक्तिगत बलिदान का परिणाम है या उसकी किसी अलौकिक शक्ति के कारण है, तो यह शुद्ध पाखंड है। हवाई, समुद्री और सड़क परिवहन सुविधाओं का विकास, आधुनिक अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान, नई तकनीक से सुसज्जित औद्योगिक परियोजनाएं, नई और महंगी कारें, आसमान छूती आवासीय इमारतें बेशक आर्थिक विकास के दायरे में आती हैं, लेकिन इन सबका सच क्या है? इससे ज्यादातर उच्च वर्ग के मुट्ठी भर लोगों को लाभ होता है और आबादी का बड़ा हिस्सा इस विकास मॉडल में भाग लेने से लाभान्वित होने से वंचित रह जाता है। गरीबी और भुखमरी से जूझ रहे अधिकांश भारतीय लोगों का एक बड़ा हिस्सा अपनी पेट की भूख मिटाने के लिए नशीली दवाओं के व्यापार, डकैती, जबरन वसूली आदि जैसी असामाजिक गतिविधियों में शामिल है और उनमें से कुछ पाने की चाहत में फंसे हुए हैं। आर.एस.एस. और भाजपा नेता उन मुद्दों को उठाकर एक अलग तरह का उत्तेजक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो उनकी ओर ध्यान आकर्षित करेंगे। पिछले 10 वर्षों के दौरान मोदी सरकार द्वारा थोपी गई असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक, सांप्रदायिक और पक्षपातपूर्ण नीतियों का कार्यान्वयन 100 प्रतिशत तथ्यों पर आधारित है। वामपंथी दलों को एकजुट होकर धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और संघीय ढांचे की रक्षा के लिए एक तरफ कॉर्पो समर्थक नवउदारवादी आर्थिक नीतियों और दूसरी तरफ हिंदुत्ववादी, सांप्रदायिक-फासीवादी ताकतों के खिलाफ पूरी गति और ताकत से संघर्ष तेज करना होगा।

क्या नए कानूनों से केस जल्दी निपटेंगे

अपराध न्याय व्यवस्था में बीती एक जुलाई से व्यापक परिवर्तन आए हैं। औपनिवेशिक काल के तीन महत्वपूर्ण कानून नए देसी कानूनों द्वारा बदले गए हैं। भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) बनाए गए हैं। अब सारी प्राथमिकियां बीएनएस के तहत दर्ज की जाएंगी और नए कानूनों के तहत उनका ट्रायल होगा। आईपीसी की 511 धाराओं के बरक्स बीएनएस में 358 धाराएं हैं। 21 नए अपराधों को इसमें शामिल किया गया है। 41 अपराधों में कारावास की अवधि, जबकि 82 में जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। इसके अलावा 25 अपराधों में न्यूनतम दण्ड और छह अपराधों में दण्ड की जगह सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सामुदायिक सेवा कैसी होगी। जहां तक सीआरपीसी की बात है तो उसमें 484 धाराएं थीं, जबकि बीएनएसएस में 531 धाराएं हैं। इसमें 9 नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी गई हैं। 177 धाराओं में बदलाव किए गए हैं और 14 पुरानी धाराओं को खत्म किया गया है। इंडियन एविडेंस एक्ट की 166 धाराओं की जगह बीएसए में 170 धाराएं हैं। नई व्यवस्था में प्राथमिकी ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकती है। प्राथमिकी की प्रति पीड़ित को मुफ्त मुहैया कराई जाएगी। गिरफ्तारी का विस्तृत विवरण थाने और जिला मुख्यालय में ठीक से प्रदर्शित किया जाएगा। इन कानूनों में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध किए गए अपराधों के अन्वेषण को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि दो महीने के अंदर इसे पूरा किया जा सके। पीड़ितों को 90 दिनों के अंदर मामले में हुई प्रगति जानने का हक होगा। नए कानूनों का पॉजिटिव पक्ष है निष्पादन की गति को तेज करना। इसके लिए टेक्नॉलजी पर काफी जोर है। डिजिटल साक्ष्य का प्रावधान है और फॉरेंसिक अन्वेषण को अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी यही मानी जाती है कि यहां मामले कई दशक चलते हैं। इसलिए स्थगन को भी दो तक सीमित किया गया है। ध्यान रहे, स्थगन सीमित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं। हुसैनारा खातून मामले (1978) में उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत आजादी के मौलिक अधिकार में तेज गति से ट्रायल होना भी शामिल है। बाद में कदरा पहाड़िया बनाम बिहार (1981) में अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी का तेज गति से ट्रायल नहीं होता है तो उसे अपने अधिकार को लागू कराने के लिए शीर्ष अदालत आने का अधिकार होगा। इसे अन्य कई मामलों में अदालत ने दोहराया परंतु महाराष्ट्र बनाम चम्पालाल पुंजाजी शाह (1981) में इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। उसने निर्णय दिया कि यद्यपि तेजी से ट्रायल अनुच्छेद 21 के द्वारा दिए गए फेयर ट्रायल का एक परोक्ष पहलू है, लेकिन इसका उल्टा सही नहीं है कि देर से होने वाला ट्रायल अन्यायपूर्ण है। संसद ने 1999 में सीपीसी में कई अहम संशोधन किए। इनमें एक यह था कि अदालत सुनवाई के दौरान तीन से अधिक स्थगन नहीं दे सकती है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने सेलम बार असोसिएशन (2005) में इन संशोधनों को एक तरह से निरस्त कर दिया। उसने निर्णय दिया कि समय-सीमा अदालत की अंदरूनी शक्तियों को कम नहीं कर सकती है, जो न्याय करने के लिए जरूरी है। ऐसे में देखना होगा कि दो संशोधन की सीमा बांधने वाले मौजूदा प्रावधानों पर अदालत का रुख कैसा होता है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5426

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5425

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5426

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस क्रांतिकारी को भगतसिंह के साथ फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
4. पृथ्वी के ऊपर की सतह (3)
6. कथन, दो या अधिक व्यक्तियों के बीच वार्तालाप (4)
8. अपना मतलब निकालने वाला, कुशल, चालाक (3)
9. किसी नगर या कस्बे में पहुंचने का प्रवेश स्थान (2)
10. किसी बड़े स्थान को घेरने के लिए लगाया गया तंबू (4)
11. तलाश करने के किया जाने वाला प्रयास (3)
13. बेटी के बेटे को यह कहते है (2)
15. शिकस्त, पराजय, मात का अपभ्रंश (2)
16. धूल आदि साफ करने के लिए उपयुक्त होने वाली वस्तु (3)
17. बुलावा, उपस्थित होने के लिए जोर से बुलाना (3)
18. स्त्री जाति का प्राणी (2)
19. सक्षम होने का भाव (2)
20. आसान, सरल, सामान्य, साधारण (3)

ऊपर से नीचे
1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (5)
2. उद्गार, भूल, गर्व (3)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. बीता हुआ, अतीत, निशान, प्रेत (2)
5. छोटी लता को यह कहा जाता है (3)
7. मुख्यमंत्री (अंग्रेजी)(6)
9. अनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
12. पद प्रहार, ठोकर, पदाघात (2)
14. तीर से लक्ष्य को भेद करने वाला (4)
16. यह सेनेगल देश की राजधानी है, [illegible] (3)
18. तीस दिनों का समय, मास (2)

वर्ग पहेली 5425 का हल

प	इ	भ	मा	ई	प	टे	ल
ही		न	न		ह	ल	का
प	म	क		कौ	ला	र	
त	रा		त	कि			अ
ना	या	ह		त	ह	ना	ई
मा		द	म		म	ना	ना
	अ	ल	म	आ	रा		
आ	न	ना		न	ज	ता	ना

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 111 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.राज्यप कर्मचारी आवास निगम की कनावटी स्थित आवासीय कॉलोनी के मुख्य मार्ग एवं कॉलोनी में स्थित अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को जनसुनवाई में कर्मचारी आवास कॉलोनी के रहवासियों के आवेदन पर सुनवाई करते हुए तहसीलदार नीमच को दिए। सांड़ियां की लीलाबाई बेवा राधेश्याम ब्राह्मण के आवेदन पर पुत्र एवं पुत्र वधू व्दारा मारपीट करने एवं मकान से बेदखल करने, कृषि भूमि पर कब्जा करने की शिकायत पर कलेक्टर ने एसडीएम मनासा को निर्देश दिए कि वे भरण पोषण अधिनियम के तहत कार्यवाही कर आवेदिका को मकान व भूमि का कब्जा दिलाए। ग्राम बधवा रतनगढ के धर्मेन्द्र गुर्जर ने सौर ऊर्जा प्लांट भगवानपुरा में पिछले सात सालों से काम करने के बावजूद अचानक कार्य से निकाल देने पर कार्यवाही कर पुन: रखवाने के अनुरोध पर कलेक्टर ने एसडीएम जावद को सौर ऊर्जा कम्पानी से चर्चा कर निराकरण करवाने के निर्देश दिए। जमुनिया खुर्द के कारूलाल के आवेदन पर पुत्र वधु का नाम समग्र आईडी से हटवाने के निर्देश जनपद सीईओ नीमच को दिए गए।

दिव्यांग मेला आयोजित किया जावे– जनसुनवाई में दिव्यांग वत्सल भाटी निवासी नीमच सिटी के आवेदन पर कलेक्टर श्री जैन ने दिव्यांगजनों के लिए जिला मुख्यालय पर दिव्यांग रोजगार मेला आयोजित कर दिव्यांगजनों और कम्पनियों को मेले में बुलाकर दिव्यांगजनों को पात्रतानुसार रोजगार उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री जैन एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने 111 आवेदकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करने के निर्देश सम्बधित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में रामपुरा की मंजूबाई, विनोबागंज नीमच की भगवती जैसवार, गोठडा के मदनलाल बंजारा, रूपपुरा के मदनलाल जाट, कुचबंदिया की रजनी ओटवाल, कोर्ट मोहल्ला नीमच सिटी के ओमप्रकाश, यादवमण्डी नीमच सिटी के कालुराम, इंदिरा नगर नीमच के राकेन्द्र वर्मा, बरटडिया के मन्नालाल, सिरखेडा के करणसिह, अमरपुरा की मंगलाबाई, नाली मझरा की आशा, छोटी सादडी के सत्यननारायण, खजुरी के शंभुलाल, नीमच की लक्ष्मीबाई, सिंगोली के अशोक कुमार, खजूरिया के रतनलाल, ढाबी की रेखाबाई, नीमच की राबिया हुसैन, नीमच की रूपा, एकता कालोनी नीमच की राधा भील, नीमच के कैलाश कर्णिक, जयसिहंपुरा की श्यामुबाई, बघाना के विष्णु कुमार शर्मा, बिसलवास कलां के विनोद बैरागी, बघाना की दयावन्तीबाई ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई।

नपा जलकार्य समिति की बैठक सम्पन्न

पर्याप्त वर्षा नहीं होने की स्थिति की समीक्षा की गई, 20 जुलाई तक वर्तमान पेयजल वितरण व्यवस्था बनी रहेगी

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका जलकार्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक कल मंगलवार को रामघाट परिसर स्थित नवीन फिल्टर प्लांट पर सम्पन्न हुई। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला एवं जलकार्य समिति सभापति श्री निलेश जैन की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न इस बैठक में मंदसौर नगर व जिले में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण शिवना नदी में पानी की आवक नहीं होने की समीक्षा की गई। इस बैठक में जल कार्य समिति सदस्य श्रीमती माया भावसार, श्रीमती सुनीता नंदलाल गुजरिया, श्री कमलेश सिसोदिया, नपा कार्यपालन यंत्री श्री पी.एस. धारवे, उपयंत्री महेश शर्मा, श्री एस.पी.सिंह, नपा जलकार्य शाखा लिपिक मो. शाहिद सहित नपा के जलप्रदाय शाखा के कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती चावला एवं सभापति श्री जैन ने जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक मंदसौर नगर व उसके आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण जो पेयजल वितरण की व्यवस्था है उसकी समीक्षा की। बैठक में नपा के कर्मचारी निसार मोहम्मद ने जनप्रतिनिधि को अवगत कराया कि शिवना नदी के उप्परी क्षेत्रों में भी अभी पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है। इसके कारण शिवना नदी के सभी जल स्त्रोतों में काफी कम पानी है। ऐसी स्थिति में भी नपा परिषद एक दिन छोडकर एक दिन लगभग एक घण्टा पेयजल वितरण कर रही है। नपा के कालाभाटा, रामघाट जल स्त्रोतों में वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार पानी की अभी उपलब्धता है। बैठक में व्यापक विचार विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि 20 जुलाई तक नगरपालिका वर्तमान समय में जो पेयजल वितरण की व्यवस्था है उसे बनाये रखेगी। यदि 20 जुलाई तक पर्याप्त वर्षा नहीं होती है तथा शिवना नदी के रामघाट व कालाभाटा बांध में पर्याप्त पानी वर्षा का नहीं आता है तो 20 जुलाई को पुन: समीक्षा की जायेगी तथा जो भी निर्णय लेना उचित होगा लिया जायेगा। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती चावला एवं सभापति श्री जैन को नपा जलप्रदाय शाखा लिपिक मो. शाहिद ने बताया कि नगरपालिका को चम्बल पेयजल योजना से अभी पानी उपलब्ध हो रहा है। 18 एमएलडी पानी प्रतिदिन चम्बल के कोलवी से आ रहा है। नगरपालिका ने आकस्मिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए 9 कुएं अधिग्रहित किये है। बैठक में नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निर्देश दिये कि आकस्मिक स्थिति में पेयजल की उपलब्धता कहां से की जा सकती है नपा के कर्मचारी इसकी कार्य योजना बनाएं तथा उसे अगली बैठक में रखे। यदि अधिगृहित कुंओं के अतिरिक्त अन्य कुओं से भी पानी लेने की जरूरत पडती है तो नपा पर्याप्त पानी की उपलब्धता वाले अन्य कुओं की जानकारी भी जुटाकर रखे। जहां भी पानी लिकेज की समस्या है वहां तत्काल पाईप लाईन व अन्य जरूरी कार्य कराये। लाईनमेन जिस प्रकार मेहनत कर रहे है उसी प्रकार अपना कर्तव्य निर्वहन करते रहे। बैठक में धर्मेश राव, शरीफ पठान, विजय परमार, सोहनलाल, नरेन्द्र खमेसरा, बद्री भावसार सहित कई कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नवीन कानून व्यवस्था एवं भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में नवीन कानून व्यवस्था एवं भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री दिनेश जैन की उपस्थिति में मंगलवार को राजस्व एवं जिला अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री जैन ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि अपराधों की जांच प्रक्रिया में तेजी लाने और पीडितों को जल्द न्याय दिलाने के उद्देश्य से तीन नवीन कानून लागू किये गये है। उन्होंने बताया कि, भारतीय दण्ड प्रक्रिया 1973 के स्थान पर दण्ड प्रक्रिया संबंधी विधिकों को समेकित और संशोधित करने के लिए संसद द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के रूप में एक नवीन कानून पारित किया गया है। प्रशिक्षण में नवीन कानूनों के तहत राजस्व अधिकारियों की भूमिका एवं समय-सीमा तथा कार्यवाही के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। नवीन कानून, त्वयरित न्यायय की अवधारणा पर आधारित है।

डी.पी.ओ.श्री चंद्रकांत नाफडे ने प्रशिक्षण में बताया कि नवीन कानून का उद्देश्य पीडित केन्द्रित, त्वरित न्याय, आधुनिक और वैज्ञानिक पद्धति से अनुसंधान तथा अनुसंधान में पारदर्शिता लाना है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में कुल 39 अध्याय, 531 धाराएं और दो अनुसूचियाँ है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और आई.सी.जे.एस., संकलन एप्प, साक्ष्य एप्प, ई-विवेचना एप्प आदि के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि, नवीन कानूनों में ई-रिकॉर्ड का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत जीरो एफआईआर, ई-एफआइआर और चार्जशीट डिजिटल होंगे और इलेक्ट्रॉनिक तरीके से शिकायत दायर करने पर नियत समय में दर्ज करने का प्रावधान है। नये कानून में डिजिटल साक्ष्य, फोरेंसिक साक्ष्यों के महत्व को बढाया गया है। हर कार्यवाही की समय-सीमा को निर्धारित किया गया है। अपराधों की विवेचना पूर्ण कर चार्जशीट पेश की समय-सीमा का निर्धारण किया गया है। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मीय गामड, सभी डिप्टी कलेक्टर, पुलिस अधिकारी, सभी राजस्व अधिकारी एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

भस्मासुर शिव प्रसंग के निहितार्थ विषय पर पूर्व अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव के विशिष्ट व्याख्यान आज

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिवपुराण के शिव प्रसंग के निहितार्थ विषय पर धर्म और अध्यात्म वेत्ता एवं पूर्व अपर सचिव (ए.एस.सी.) श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (आई.ए.एस.) का विशिष्टव्याख्यान दिनांक 10 जुलाई 2024, बुधवार को सायंकाल 6 बजे से 7.30 बजे तक नगरपालिका सभागृह गांधी चौराहा मंदसौर में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद खिमेसरा करेंगे। सभी धर्म, साहित्य व संस्कृति प्रेमियों से इष्टमित्रों सहित पधारने का आव्हान जनपरिषद अध्यक्ष डॉ. घनश्याम बटवाल, सचिव नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष वेद मिश्रा, सचिव जयेश नागर तथा अ.भा. साहित्य परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र भावसार, सचिव नन्दकिशोर राठौर आदि ने किया है।

दलौदा पब्लिक स्कूल में एनसीसी भर्ती सम्पन्न

दलौदा, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ट्रूप नंबर 167 श्री दलौदा पब्लिक स्कूल दलौदा में आज नीमच बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान के निर्देशानुसार एन सी सी भर्ती का आयोजन हुआ जिसके बटालियन के हवलदार योगिराज सिंह व सेकंड ऑफिसर धीरज शुक्ला द्वारा 800 मीटर रनिंग , 100 मीटर स्प्रिंट , 5 मीटर शटल, पुश अप , सीट अप, हाइट वेट किया गया , तत्पश्चात छात्रों का लिखित परीक्षा ली गई जिसमे 80 छात्र सैनिकों में से सिर्फ 31 छात्रों का चयन हुआ। उक्त भर्ती के विद्यालय मेनेजर विपिन जी जैन , प्राचार्य रत्नप्रभा राणावत की उपस्थिति में हुई।

मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में चार खिलाड़ियों ने जीते पदक

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी श्री सुरेश भाटी ने बताया कि मध्य प्रदेश के देवास जिले में 11 से 12 मई 2024 को सीनियर राज्य स्तरीय पेचक सिलाट मार्शल आर्ट प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें मंदसौर जिले के चार खिलाड़ियों ने तुलसी पिता केशव दास बैरागी गोल्ड मेडल, यश पिता सुनील हीवे ग्वाला सिल्वर मेडल, कृष्ण पिता चंद्रशेखर गढिया ब्रांच मेडल, सोनू पिता ओमप्रकाश मेघवाल ब्रांच मेडल जीतकर मंदसौर का नाम रोशन किया।

संस्था की इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में खिलाड़ियों का सम्मान एस डी ओ पी कीर्ति जी बघेल मैडम ,जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग विजेंद्र जी देवडा द्वारा किया गया। संस्था संरक्षक अनिल जी कियावत गरोठ प्रेस क्लब के अध्यक्ष जगदीश जी अग्रवाल , मध्य प्रदेश पेंचिक सिलाट एसोसिएशन के अध्यक्ष अबरार अहमद शेख सचिव अभय श्रीवास जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष गगन जी कुरील, मीडिया प्रभारी सुरेश जी भाटी व्यवस्था प्रभारी विजय जी कोठारी, सैयद आफताब आलम, सुनील जी हीवे ग्वाला, अशोक जी गेहलोत माली, शाहिद जी हुसैन, यशवंत सिंह राठौर , असलम खान, दिनेश जी चंदवानी, दुर्गेश जी बेलानी, एडवोकेट दीनदयाल भावसार, हितेश जी सालवी, ग्वाला, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, निशांत जोशी, शाहिद जी मंसूरी, राजू जी आर्य, कमलेश जी डोसी, श्रीमती धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल आदी ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विद्यार्थियों ने अपने जन्मदिन पर लिया पौधे लगाने का संकल्प

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार साप्ताहिक वन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी कविताओं, गीतों और भाषण के माध्यम से वनों की उपयोगिता एवं उनके संरक्षण के बारे में सभी को अवगत करवाया।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों के लिए एक लघु चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें वन महोत्सव के महत्व, उसके इतिहास एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी बातों का सरल एवं सहज शब्दों में वर्णन किया गया। जिसे देखकर सभी छात्र-छात्राओं ने अपने अपने जन्मदिन पर एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लिया। विद्यालय के हिंदी शिक्षक श्री अन्तिम गेहलोद द्वारा इस अवसर पर एक पेड मां के नाम नामक अभियान का जिक्र किया, जिसमें प्रत्येक छात्र को यह संकल्प दिलवाया गया कि इस बारिश एक पौधा अपनी मां के नाम जरूर लगायें। वन महोत्सव के अवसर पर विद्यालय के हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की सुरक्षा की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस, संस्था सुपरवाइजर श्री हकीम प्रसाद शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

मलेरिया प्रतिरोधात्मक होम्योपैथिक औषधि वितरण 16 से

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आयुक्त संचालनालय आयुष भोपाल के निर्देशन में जिला आयुष अधिकारी डॉ. कमलेश धनोतिया द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024 में मलेरिया रोग की रोकधाम के लिये मलेरिया प्रतिरोधात्मक होम्योपैथिक औषधियॉ मलेरिया ऑफ-200 का वितरण किया जाना है। जिसके लिये प्रथम चरण 16 जुलाई से 23 जुलाई एवं 30 जुलाई को, द्वितीय चरण 13 अगस्त से 20 अगस्त एवं 27 अगस्त 2024 को रोग प्रभावित क्षैत्रों में प्रत्येक परिवार के प्रति सदस्य को होम्योपैथी रोग प्रतिरोधक औषधि मलेरिया ऑफ-200 की एक-एक खुराक खिलाई जाएगी। जिसके लिये डॉ. लोकेश बिर्ले होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	27	2339	2442
उडद	3	5400	7500
सोयाबीन	5500	3460	4520
गैहु	3700	2650	3253
चना	153	5800	6560
मसुर	104	5600	6150
धनिया	180	4500	6700
लहसुन	12500	7001	21501
मैथी	580	4800	5750
अलसी	850	5661	6021
सरसो	347	5101	5405
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	63	10900	12800
प्याज	1915	850	2790
कलोंजी	58	15000	19000
डॉलर	6	7000	9599
तिल्ली	110	10500	12350
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	80	7001	11150

जनसंख्या वृद्धि एक चुनौती

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विश्व जनसंख्या दिवस प्रतिवर्ष 11 जुलाई को मनाया जाता हे। विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या की समस्या को सामने लाने और आम जन को यह अहसास कराने का दिन हे की केसे उनका योगदान काफी हद तक इस समस्या को रोकने में सहयोग कर सकता हे। प्रत्येक राष्ट्र के लिए इस दिन का विशेष महत्व हे क्योंकि आज विश्व के हर विकासशील और विकसीत दोनो तरह के देश जनसंख्या विस्फोट से चिंतित हे। अत्यधिक तेज गति से बढती जनसंख्या के प्रति लोगो में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ही यह दिवस मनाया जाता हे। विकासशील देश अपनी आबादी और जनसंख्या के बीच तालमेल बैठाने में माथापच्ची कर रहे हे तो विकसित देश पलायन और रोजगार की चाह में बाहर से आकर रहने वाले शरनार्थियो के कारण परेशान हे। वर्तमान समय में बढती जनसंख्या निश्चित रूप से हमारे देश के लिए बहुत बडी समस्या हे। विज्ञान चाहे कितनी भी उन्नति क्यों न कर ले जमीन की उपज और उससे मिलने वाली अनाज की पैदावार एक नीयत सीमा तक ही बड सकती हे। अन्य देशो की अपेक्षा हमारे देश में जनसंख्या अधिक तीव्रता से बढती जा रही हे। जनसंख्या बडने के साथ साथ पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षणिक आदि सभी क्षेत्रो में असंख्य असमानताएं और समस्याएं खडी हो गई हे। बढती हुई जनसंख्या के साथ बेरोजगारी, आर्थिक दरिद्रता भी सुरसा के मुख की भांति बढती ही जा रही हे जिससे देश की युवा शक्ति का ह्रास हो रहा हे। कोरोना महामारी का जो दंश देश ने सहा हे उसमे बढती जनसंख्या भी एक महत्वपूर्ण कारण हे। यह निश्चित रूप से एक अवांछनीय स्थिति होती हे जब धरती की धारण शक्ति या क्षमता की अपेक्षा उस पर रहने वाले मनुष्यो की संख्या बड जाती हे। आज हमारा देश जनसंख्या के मामले में अपने पडोसी देश चीन से भी आगे निकल चुका हे। भारत में स्वतंत्रता मिलने के बाद जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की नीति तो बनी जरूर और उसके तहत कई प्रयोग भी हुए पर उनमें देश को केवल आंशिक सफलता ही मिल सकी। बढती जनसंख्या के साथ संसाधनो की कमी, पर्यावरण प्रदूषण, महंगाई, कुपोषण, अपराध होना बडने लगता हे। पेयजल की कमी जेसी चुनौतियां भी बढती हे। भोजन, पानी, आवास, ऊर्जा, स्वास्थ्य, यातायात की मांग बडने के साथ तेल, गैस, कोयला जैसे सीमित संसाधनो के दोहन के चलते प्रकृति की व्यवस्था भी हांफने लगती हे। सामाजिक व आर्थिक विकास एवम प्रकृति को संतुलित करने के लिए जनसंख्या को नियंत्रित करने की कठोर नीतियों को सरकार को बनाना चाहिए चाहे इसके लिए कोई भी आचार संहिता क्यों न लगानी पड़े। जनता भी यह स्मरण रखे की हम समाज की इकाई हे। व्यक्तिगत हमारा कोई जीवन नही हे और न ही उसका कोई अस्तित्व। सभी ने साथ रहकर ही जब जीना हे तो क्यों न सबका हित साधन करते हुए जिए। मर्यादित जीवन ही सहयोग के आधार पर मानव के भविष्य को जीवित बनाए रख सकता हे। वर्तमान समय की महती आवश्यकता हे की सभी सामाजिक व राजनेतिक दल धर्म और संप्रदाय से ऊप्पर उठकर देशहित में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने में सहयोग करे तभी हमारा विश्व जनसंख्या दिवस मनाना सार्थक होगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

दिनांक 10 जुलाई 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

❊घर में पूर्व की ओर सिर करके सोने से विद्या प्राप्त होती है , ज्ञान बढ़ता है,सात्विकता बढ़ती है,नींद अच्छी आती है।

❊पश्चिम दिशा की तरफ सिर करके सोने से मानसिक चिंताए बढ़ती है तथा अनिद्रा रोग की संभावनाए बनती है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

जिले में अब तक 130.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में इस वर्ष अबतक औसतन 130.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जबकि पिछले 24 घन्टों में मंदसौर जिले में 4.8 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में मंदसौर में 3.0 मि.मी., सीतामऊ में 0 मि.मी. सुवासरा में 3.0 मि.मी., गरोठ में 0.4 मि.मी., भानपुरा में 0 मि.मी., मल्हारगढमे 0 मि.मी., धुधंळका में 0 मि.मी., शामगढमें 5.4 मि.मी., संजीत में 0 मि.मी., क्यामपुर में 0 मि.मी. एवं भावगढमें 41.0 वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है।

कार्यालय नगर परिषद भानपुरा जिला मंदसौर मप्र

क्रमांक / 611/न.प./2024 **भानपुरा दिनांक –08.07.2024**

सूचना गृह स्वामियो का नाम परिवर्तन किये जाने के संबंध में

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि -नगर पालिका अधिनियम 1968 की धारा 150-151 के अंतर्गत इस कार्यालय मे निम्नानुसार आवेदन/ आवेदकगणो द्वारा नगर परिषद रिकार्ड में दर्ज निम्नानुसार आधारों पर गृह स्वामियो ने अपने नाम के सम्मुख दर्षित माध्यम अनुसार दर्ज किये जाने हेतु आवेदन (प्रकरण) प्रस्तुत किया है। परिवर्तन किये जाने में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अवधि समाप्त होने के उपरांत आवेदन/आवेदकगणो का नाम रजिस्टर हाउस में संबंधित गृह क्रमांक पर अंकित किया जावेगा और आपकी कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

क्रं.	प्र.क्रं.	हस्तातरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरित की जाने वाली सम्पत्ति	आधार
1	69	श्यामाबाई मनोहरलालजी	राजेशकुमार पिता मनोहरलालजी गुर्जर	भवन क्रमांक 2069/2 नदी मार्ग वार्ड 14	दान रजि
2	70	महेन्द्र पिता भागचंद्र	आरती पति महेन्द्र मरमट	भवन क्रमांक 2712 हनुमान गढ़ी वार्ड 15	वंशानुक्रम
3	71	पुष्पाबाई मदनलाल तिल्लानी	भवानीशंकर पिता भूरालालजी	भवन क्रमांक 298 पंजाबी कालोनी रोड वार्ड 04	वंशानुक्रम
4	72	रमेशचंद्र देवबक्ष पाटीदार	सोनाबाई पति कमलेश पाटीदार	भूमि सर्वे क्रमांक 511 पेकि रकबा 0.015 व सर्वे क्रमांक 514 पेकी रकबा 0.041 में से 150 वर्गफीट चंबल चौराहा वार्ड 01	विक्रय डायवर्शन
5	73	मनोहरलाल रिखीरामजी मलिक	रईसा बानो असलम खान	भवन क्रमांक 1071/14 झालावाड़ रोड वार्ड 07	विक्रय पत्र
6	74	कमलेश पिता आर.सी. व्यास	दिनेश जैन पिता रुपचंद्रजी	भूखण्ड क्रमांक 89 ब्रजधाम कालोनी वार्ड 01 1000 वर्गफीट	विक्रय पत्र
7	75	श्री नाकोड़ा डेवलपर्स भानपुरा	बीना पति राजेश बम्बोरिया	भूखण्ड क्रमांक 92 कुल क्षे. 1820 वर्गफीट अम्बे रेसीडेन्सी वार्ड 01	विक्रय पत्र
8	76	मदनलाल चांदमलजी	पुष्पाबाई पति मदनलालजी तिल्लानी	भवन क्रमांक 1552 सदर बाजार वार्ड 12	वंशानुक्रम
9	77	राकेशकुमार पिता रमेशचंद्रजी शर्मा	साक्षी पति तुषार मरमट	भवन क्रमांक 304/08 सिनेमा कम्पाउण्ड वार्ड क्रमांक 06	विक्रय पत्र
10	78	किशनलाल गोवर्धनलालजी माली	खुशनूर बेग पिता अब्दुल मजीद बेग	भवन क्रमांक 346 का भाग, छत्री संस्थान वार्ड 15	विक्रय पत्र
11	79	किशनलाल गोवर्धनलालजी माली	अजीज बेग पिता सईद बेग	भवन क्रमांक 346 का भाग, छत्री संस्थान वार्ड 15	विक्रय पत्र
12	80	किशनलाल गोवर्धनलालजी माली	खुशनूर बेग पिता अब्दुल मजीद बेग	भवन क्रमांक 346 का भाग, छत्री संस्थान वार्ड 15	विक्रय पत्र
13	81	प्रशांत पिता शांतिलाल जैन	दीपिका पति सुमेर नाहर	भवन क्रमांक 1380 ओसवाल मोहल्ला वार्ड 11	विक्रय पत्र
14	82	श्री नाकोड़ा डेवलपर्स भानपुरा	धापूबाई पति पूरीलाल	भूखण्ड क्रमांक 146 अम्बे रेसीडेन्सी वार्ड 01	विक्रय पत्र
15	83	महेन्द्रसिंह उमरावसिंह सिसोदिया	ममता पति बंशीलाल	भूमि सर्वे क्रमांक 1206/1/2/1 पेकि रकबा 0.006 हे. 675 वर्गफीट वार्ड 01	विक्रय पत्र
16	84	रामकुंवरबाई हीरालाल राठौर	रियाजउद्दीन पिता मोईनउद्दीन	भवन क्रमांक 536 लखारा गली वार्ड 04	विक्रय पत्र
17	85	संजयकुमार पिता हुकुमसिंह	नानालाल पिता मुकुंदलालजी भाना	भूमि सर्वे क्रमांक 1204 पेकि रकबा 0.005 हे. याने 578 वर्गफीट भंडारी कालोनी	विक्रय पत्र
18	86	कय्युम खां बशीर खां	शरीफ, शब्बीर, शमीम, अनिसा, आरिफा पिता कय्यूम हुसैन	भवन क्रमांक 949/02 जटियों के मंदिर के पास वार्ड 07	वंशानुक्रम
19	87	निसार एहमद पिता हसन खां कादरी	इसरार, एमद, अयुजाल, एहमद, हमीदा हसीना, शमीम, फिरोज पिता निसार एहमद, फरीदा पति रउफ एहमद	भवन क्रमांक 364 छत्री संस्थान	वंशानुक्रम
20	88	मेहताबबाई रोडूजी गुर्जर	लालचंद्र पिता भुवानजी	भवन क्रमांक 2011 का भाग गुर्जर मोहल्ला वार्ड 14	शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र
21	89	मेहताबबाई रोडूजी गुर्जर	कंवरलाल भुवानजी गुर्जर	भवन क्रमांक 2011 का भाग गुर्जर मोहल्ला वार्ड 14	शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र

विनोद शिव भानपिया, अध्यक्ष, नगर परिषद भानपुरा | रेहाना डॉ. जाकीर, उपाध्यक्ष, नगर परिषद भानपुरा | मकसूद अंसारी, प्रभारी राजस्व, नगर परिषद भानपुरा | मोहम्मद अशफाक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद भानपुरा

सीपीएस पद्धति बंद की जाये

सलाहकार समिति की बैठक में विधायक जैन ने अफीम कास्तकारों की मांगों को रखा

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों द्वारा कार्यालय उप नारकोटिक्स आयुक्त नीमच के सभागार कक्ष मं। सलाहकार समिति की बैठक 9 जुलाई को आयोजित हुई। जिसमें मंदसौर के किसान हितैषी विधायक विपिन जैन ने उपस्थित होकर अफीम कास्तकारों की ओर से सुझाव दिये।

अफीम की फसल जो मंदसौर जिले की पहचान है इस कास्त को करने वाले किसान काफी समय से परेशान है, इन कास्तकारों की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विधायक श्री जैन ने सलाहकार समिति की बैठक में अफीम कास्तकारों की समस्याओं को हल करने के सुझाव रखे। श्री जैन ने कहा कि अफीम कास्तकारों की लम्बे समय से मांग है कि उन्हें सन् 1996-97 के कटे हुए पट्टे किसानों को पुन: वापस दिए जाए। इस और नारकोटिक्स ब्यूरों आवश्यक कार्यवाही करे जिससे लम्बे समय से इस अफीम की खेती से जुडे किसानों को लाभ होगा। साथ ही श्री जैन ने कहा कि अफीम की खेती करना अब काफी महंगा हो गया है। इसकी सुरक्षा हेतु भी काफी उपाय किसानों को करना पडते है। किसानों को अफीम का दाम सही नहीं मिल पा रहा है इसलिये अफीम के भाव में वृद्धि की जाये जिससे किसानों को इस खेती से लाभ हो। विधायक श्री जैन ने सीपीएस पद्धति बंद करने की मांग पर भी जोर देते हुए कहा कि सीपीएस पद्धति से अफीम काश्तकारों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। इसलिये इस पद्धति को बंद कर देनी चाहिए। साथ ही आपने कहा कि पुलिस व नारकोटिक्स विभाग के कई अधिकारी व कर्मचारी डोडाचूरा के नाम पर कई झूठे प्रकरण बनाकर किसानों से जेल में डाल रहे है। कई बार ऐसे मामले सामने आये है। अत: डोडाचूरा को एनडीपीएस एक्ट से बाहर निकाला जाए जिससे किसानों के साथ हो रहा अत्याचार बंद हो सके। साथ ही विधायक श्री जैन ने सुझाव दिया कि फसल नष्किरण मुखिया की उपस्थिति में किया जाए, मार्फिन 3.5 किया जाए। तथा कई बार प्राकृतिक आपदा होने से अफीम की मात्रा कम बैठती है इसलिये अफीम की मात्रा में छूट दी जाए। डोडा खुद स्वयं किसानों द्वारा तोड्कर मुखिया को वजन नोट करवाए व इस वर्ष के अनुसार नियम बनाया जाए। सीपीएस पद्धति में डोडे के भाव में वृद्धि की जाए। नामांतरण प्रकिया का सरलीकरण किया जाए एवं जीवित नामांतरण की पद्धति लागू की जाएं। धारा 29 के दुरुप्रयोग को बंद किया जाए। अफीम की फसल को फसल बीमा में लिया जाए। इस बैठक में जनप्रतिनिधिगण, किसान बन्धु व नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र में भारी बारिश का अलर्ट, स्कूल-कालेज बंद

परीक्षाएं टली, बद्रीनाथ हाइवे पर गिरा पहाड़, असम में बाढ़ से अब तक 85 मौतें

नई दिल्ली, 09 जुलाई। महाराष्ट्र में मौसम विभाग ने मुंबई, रायगढ,ए रत्नागिरी, सिंधु, दुर्ग, पुणे व सतारा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने मुंबई में 12 जुलाई तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। यहां तक कि बारिश के अलर्ट के चलते स्कूल, कालेज बंद कर दिए गए है। यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। इसके अलावा उत्तराखंड में बद्रीनाथ हाइवे पर पहाड गिरने से रास्ता बंद हो गया। असम में भी बाढ से अब तक 85 लोगों की मौत हो चुकी है।

मुंबई में अगले 24 घंटों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है है। बीएमसी ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है। मुंबई में 7 जुलाई देर रात 1 बजे से 8 जुलाई सुबह 7 बजे तक छह घंटे में 300 मिमी से ज्यादा बारिश हुई थी। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण मुंबई यूनिवर्सिटी में आज होने वाली सभी परीक्षाएं टाल दी गई हैं। नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी। सभी स्कूल-कॉलेज भी बंद हैं। पुणे, रायगढ और नवी मुंबई में भी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। महाराष्ट्र के अलावा उत्तराखंड में भी तेज बारिश का दौर देखने को मिल रहा है। भारी बारिश के कारण जोशीमठ के पास एक पहाड का टुकडा बद्रीनाथ हाईवे पर गिर गया। इस कारण हाईवे को बंद करना पडा है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पांच राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट–मौसम विभाग ने आज 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम, गोवा व कर्नाटक शामिल हैं। 13 राज्यों में नगालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, गुजरात में भारी बारिश का अलर्ट है।

असम में 19 लाख लोग बाढ में फंसे–असम में भारी बाढ के चलते 6 और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही बाढ, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या बढकर 85 हो गई है। राज्य के 28 जिलों के 27।74 लाख से ज्यादा लोग बाढ से प्रभावित हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में 6 गैंडों समेत अब तक 137 जंगली जानवरों की जान जा चुकी है। काजीरंगा नेशनल पार्क की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने कहा कि अब तक दो गैंडे, दो हाथी, 84 हॉग डियर, 3 स्वैम्प डियर, 2 सांभर सहित 99 जानवरों को बचाया गया है। पार्क के 233 शिविरों में से 70 वन शिविरों में अभी भी पानी भरा है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के आसार–मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में 12 जुलाई तक के लिए भारी बारिश का अनुमान जताया है। 11 और 12 जुलाई के लिए उन्ना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगडा, सोलन, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

नप पिपलिया ने चलाई अतिक्रमण हटाओ मुहिम

पिपलियामंडी, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय नगर परिषद ने मंगलवार को नगर में अतिक्रमण हटाओ मुहिम चलाई। इस दौरान पुलिस बल भी साथ रहा। सीएमओ प्रवीण सेन ने बताया आम जनता को हो रही परेशानी एवं आए दिन सडक पर हो रही दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मनासा मार्ग पर सडक के किनारे स्थित दोनों साइड के नालों के ऊपर आम जनता/व्यवसायियों/दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के संबंध में अतिक्रमण हटाने की मुहिम की शुरुआत की गई, जिसमें आम जनता एवं दुकानदारों को नालों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाने संबंधी समझाइश दी गई। साथ ही एक सप्ताह का समय दिया गया। निर्धारित समयावधि पश्चात भी यदि आम जनता एवं दुकानदारों द्वारा नालों के ऊपर से अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो नगर परिषद के अमले द्वारा अतिक्रमण संबंधी सामग्री जप्ती में ली जाकर नगर पालिका विधान अनुसार उचित कार्यवाही की जाएगी।

जनसुनवाई में अनुपस्थित अधिकारियों का आधे दिवस का वेतन कटोत्रा करें-कलेक्टर

जनसुनवाई के दिन आम जनता को ई-रिक्शा की सुविधा प्रदान करें, जनसुनवाई में आज कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। साप्ताहिक जनसुनवाई आज कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने आम जनता की समस्या को सुना तथा मौके पर निराकरण किया। आज जनसुनवाई में कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने की निर्देश प्रदान किए गए। जनसुनवाई के दौरान अनुपस्थित अधिकारियों के संबंध में कलेक्टर ने कोषालय अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे अधिकारी जो जनसुनवाई में अनुपस्थित है, उनके आधे दिवस का वेतन काटा जाए। प्रभारी अपर कलेक्टर को निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई के दिन आम जनता को आने जाने के लिए ई रिक्शा की सुविधा प्राप्त हो। इसके लिए योजना बनाएं। जनसुनवाई के दौरान सीमांकन, बटवारा, नामांतरण से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए जिनका तुरंत निराकरण करने की निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक उद्योग विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि रोजगार से संबंधित जितने भी आवेदन प्राप्त हुए हैं। उनका तुरंत निराकरण करें तथा लोगों को स्वरोजगार योजना का लाभ प्रदान करें। आर्थिक सहायता से संबंधित आवेदनों के लिए निर्देश देते हुए कहा कि नियम अनुसार जांच कर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान अतिक्रमण, राशन कार्ड, राशन पर्ची, पीएम आवास, पारिवारिक विवाद इत्यादि तरह-तरह के आवेदन प्राप्त हुए।

वरिष्ठजनों का सम्मान आने वाली पीढ़ी को अच्छा संदेश- जीएसटी अधिकारी

मंदसौर सीए ब्रांच द्वारा वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट का सम्मान किया

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की मन्दसौर शाखा द्वारा शहर के वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए विजयसिंह पामेचा व सीए विरेन्द्र जैन का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीएसटी अधिकारी श्री राजेश भामोर ने कहा कि सीए ब्रांच द्वारा अपने वरिष्ठजनों का सम्मान एक बहुत ही सराहनीय परंपरा है। आज आप अपने वरिष्ठजनों का सम्मान कर अपनी आने वाली पीढी को एक अच्छा संदेश दे रहे हैं। जिला आयकर अधिकारी श्री संजीव कुमार मलिक ने कहा कि अपने संगठन के वरिष्ठजनों का सम्मान हमारी भारतीय संस्कृति का परिचायक है। संगठन के वरिष्ठजनों का सम्मान कर हम उनके द्वारा दिये गये संगठन में योगदान की अनुमोदना करते हैं। यदि हम अपने वरिष्ठजनों का सम्मान करते हैं तो उनके आशीर्वाद से संगठन नित नये आयामों को छू लेता है। इस अवसर पर ब्रांच के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने ब्रांच की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आज इस सम्मान समारोह में ब्रांच परिसर में इन वरिष्ठसाथियों के करकमलों से पौधरोपण किया जा रहा है। साथ ही आज उपस्थित सभी सदस्यों को एक-एक पौधा भेंट कर यह संकल्प लिया जा रहा है कि वे इन पौधों को उचित स्थान पर लगाकर इसकी पूरी तरह से सेवा करेंगे और इसे वट वृक्ष के रूप में पल्लवित करेंगे। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया, कोषाध्यक्ष सीए नयन जैन, कार्यकारिणी सदस्य सीए अर्पित नागदा सहित करीब 75 सीए परिवार उपस्थित थे। आभार सचिव सीए विकास भण्डारी ने माना।

सीआरपीएफ सीटीसी ने 5000 पेड़ लगाने का रखा लक्ष्य

1000 पौधे भारत सरकार के अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत लगाए

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय प्रशिक्षण महाविधालय, केरिपुबल, नीमच द्वारा वर्ष 2024 के दौरान 5000 पेड लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसकी शुरुआत 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर संस्थान के प्राचार्य श्रीमान संदीप दत्ता, पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की गई। इसी क्रम में दिनांक 08/07/2024 को संस्थान के परिसर में लगभग 1000 पौधे भारत सरकार के अभियान 'एक पेड माँ के नाम ' के तहत लगाए गए। इसका शुभारम्भ संस्थान की प्रथम महिला श्रीमती रजनी दत्ता द्वारा पोधा लगाकर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य श्री संदीप दत्ता, पुलिस महानिरीक्षक, श्री वेद प्रकाश, कमाण्डेन्ट, जिला वन अधिकारी श्री एस. के.अटोडे,

एडीजे नीमच नजीमा बेगम संस्थान के अन्य अधिकारीगण हार्टफुलनेस संस्था के सदस्य, कई स्वयं सेवी संस्थाओं के सदस्य, केरिपुबल परिवार के प्रशिक्षक, प्रशिक्षाणार्थी, महिलाये एवं बच्चों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया और पोधे लगाये एवं साथ ही संकल्प लिया कि जो पौधे हमने लगाए हैं उनका अच्छी तरह से देखभाल करेंगे और पर्यावरण संरक्षण के लिए वचनबद्ध हैं। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य श्री संदीप दत्ता ने बताया कि पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, हमें इसके सरंक्षण में प्रत्येक व्यक्ति को बढ-चढ कर हिस्सा लेना चाहिए। यह संस्थान पर्यावरण संरक्षण के कार्य के तहत बडी मात्रा में पेड लगाता है और उनकी देखभाल करता है। हम सबको भी यह संकल्प लेना है कि हम इस पुनित कार्य में हमेंशा सहयोग देते रहेंगे।

15 दिन के लिए हटेगा तबादलों से बैन, हर संवर्ग में बीस फीसदी से अधिक नहीं होंगे

भोपाल, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले से लगा सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले पर प्रतिबंध अब सरकार जल्द हटाएगी। 15 दिन के लिए सभी विभागों को प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर तबादले करने की अनुमति रहेगी।

तबादला नीति को जल्द देंगे अंतिम रूप–किसी भी संवर्ग में 20 प्रतिशत से अधिक तबादले नहीं किए जा सकेंगे। इसके लिए तबादला नीति का प्रारूप भी तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव मंत्रियों से विचार-विमर्श करने के बाद नीति को अंतिम रूप देंगे। प्रदेश में वर्ष 2021 में तबादला नीति घोषित की गई थी। तब जुलाई में एक माह के लिए तबादले से प्रतिबंध हटाया गया था।

इसके बाद मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से तबादले होते रहे पर नीति घोषित नहीं की गई। वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची की तैयारी के चलते निर्वाचन कार्य से सीधे जुडे कलेक्टर, अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, शिक्षक और पटवारियों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया। उन अधिकारियों को जरूर स्थानांतरित किया गया, जो 3 वर्ष से एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यही प्रक्रिया लोकसभा चुनाव के लिए भी अपनाई गई। चुनाव होने के बाद जनप्रतिनिधियों की भी अपेक्षा है कि वे अपने हिसाब से अपने क्षेत्र में अधिकारियों की पदस्थापनाएं कराएं ताकि समन्वय के साथ काम हो सके।

मंत्री भी चाहते हैं अपने अधिकारी–वहीं, कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों की निजी समस्याएं भी हैं। मंत्री भी मैदानी स्तर पर अपने हिसाब से जमावट करना चाहते हैं। इन सभी स्थितियों को देखते हुए तबादला नीति घोषित कर तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने की तैयारी की गई है। प्रथम श्रेणी के सभी अधिकारियों के मुख्यमंत्री, द्वितीय व तृतीय श्रेणी के अधिकारियों के विभागीय मंत्री और जिले के भीतर कर्मचारियों के तबादले कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से होंगे। तबादला नीति का पालन सुनिश्चित करने का दायित्व विभागीय अधिकारियों का होगा।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिये आवेदन 15 तक

मंदसौर, 09 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण (अंग्रेजी भाषा) प्रारंभ किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संचालित आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (इंग्लिश लैंगवेज टीचिंग इन्स्टीट्यूट) में दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबद्ध है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों से प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदन 15 जुलाई 2024 तक जमा कराये जा सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को पत्र लिखकर प्रत्येक जिले से कम से कम 2 पात्र आवेदकों के आवेदन rsk.mponline.gov.in के माध्यम से भेजने के निर्देश दिये गये हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम वर्ष 2024-25 के लिये आयोजित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रदेश के प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व हो, यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 51/2024 दिनांक 09.07.2024

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भेरूलाल पिता मन्नालाल, जाति-गुर्जर, निवासी-ग्राम-बांसाखेडी, तहसील व जिला-मन्दसौर से आवासीय मकान ग्राम-बांसाखेडी, ग्राम पंचायत नेतावली, पटवारी हल्का नं. 00118, तहसील व जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एमपी 249392024ए1860824 दिनांक 04/07/2024 से मेरे पक्षकार शांतिबाई पति भेरूलाल, जाति-गुर्जर, निवासी-ग्राम-बांसाखेडी, तहसील व जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मन्दसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है:-

पूर्व में- भुवानलाल जी का मकान, पश्चिम में-छगनलाल जी का मकान, उत्तर में-आम रास्ता, दक्षिण में-नानालाल जी का मकान, पैमाईश रकबा-2870 वर्ग फीट या 266.62 वर्ग मीटर।

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोज आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

कार्यालय सिविल सर्जन सह सचिव जिला अस्पताल रोगी कल्याण समिति, जिला चिकित्सालय मंदसौर

निम्नांकित कार्यों के ठेके हेतु निविदायें समाचार पत्रों में आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ठेके का विवरण	ई.एम.डी. राशि	टेण्डर डाक्यूमेंट का मूल्य
1	जिला चिकित्सालय मंदसौर में टुटे हुए अनुपयोगी फर्नीचर /सामग्री / उपकरण इत्यादि का विक्रय (सामग्री का विवरण सूची अनुसार)	रूपये 25,000/-	रूपये 1000/-
2	जिला चिकित्सालय मंदसौर में पेस्ट कंट्रोल का कार्य	रूपये 20,000/-	रूपये 1000/-
3	जिला चिकित्सालय मंदसौर परिसर में सुलभ कॉम्प्लेक्स का ठेका	रूपये 10,000/-	रूपये 500/-
4	जिला चिकित्सालय परिसर में होर्डिंग्स पर विज्ञापन लगाने हेतु ठेका	रूपये 10,000/-	रूपये 500/-

इच्छुक आवेदक कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय में कक्ष क्र 19 में निर्धारित राशि जमा करके आवेदन क्रय कर सकते हैं।

DURATION OF SALE OF TENDER DOCUMENT 10-07-2024 to 22-07-2024

BID SUBMISSION (Last Date) 25-07-2024 upto 02.00 PM hrs

BID OPENING 25-07-2024 upto 04.00 PM hrs.

डॉ. डी.के. शर्मा

सिविल सर्जन सह सचिव जिला अस्पताल

रोगी कल्याण समिति, जिला चिकित्सालय, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in